Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding shelter homes for homeless people in Mumbai-laid

श्री मनोज कोटक (मुम्बई उत्तर-पूर्व): भारत सरकार ने शहरी क्षेत्र बेघरों सहित शहरी गरीबों को चरणबद्ध रूप से आधारभूत सेवाओं से युक्त शरणस्थल उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आजीविका मिशन (NULM) की शुरूआत की थी । मुम्बई शहर काफी सघन आबादी वाला शहर है और यहाँ देश के कोने-कोने से लोग अपनी जीविका अर्जित करने आते हैं । आज मुम्बई शहर की जनसंख्या लगभग 2 करोड़ 20 लाख है । यदि हम 2011 की जनसंख्या 1 करोड़ 25 लाख को भी ले तो इस शहर में 125 शरणस्थल होने चाहिए थे । सुप्रीम कोर्ट ने भी 2010 में इस संदर्भ में संज्ञान लेते हुए कहा था कि महानगरपालिका इसकी व्यवस्था करें । परन्तु अब तक मुम्बई शहर में बेघरों के लिए शरणस्थल की पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो पाई है । महानगरपालिका अभी 6-7 शरणस्थल चला रही है जो विशेष रूप से बच्चों के लिए है । अभी बारिश का मौसम आने वाला है और मुम्बई में अत्यधिक बारिश होती है । इस मौसम में बेघर लोगों की समस्याएँ काफी बढ़ जाती हैं इसलिए यहाँ बेघरों के लिए शरणस्थलों की अत्यधिक आवश्यकता है ।

अगर तुरंत इसकी स्थायी व्यवस्था न हो पाएं तो मुम्बई शहर में तुरंत अस्थायी शरणस्थल का निर्माण करना चाहिए । साथ ही स्थायी शरणस्थल के निर्माण करने की दिशा में तुरंत प्रयास शुरू करना चाहिए । मेरा आवासीय एवं शहरी विकास मंत्री जी से विनम्र मांग है कि इस कार्य के लिए पर्याप्त फंड उपलब्ध करायी जाए ताकि मुम्बई शहर के सभी बेघरों को एक शरणस्थल उपलब्ध हो सके ।